भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: †2258
12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण सत्र

†2258. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को तमिलनाडु मेडिकल काउंसिल के ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य पर संवेदनशीलता सत्र आयोजित करने और राज्य के सभी डॉक्टरों, शिक्षकों और मेडिकल छात्रों को इस संबंध में अनिवार्य प्रशिक्षण देने के हालिया निर्देश की जानकारी है;
(ख) क्या देश के कई केंद्रीय मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य संस्थानों ने ये अनिवार्य संवेदनशीलता सत्र आयोजित किए हैं;
(ग) यदि हाँ, तो देश में आयोजित हुए ऐसे संवेदनशीलता सत्रों और उसमें उपस्थित हुए डॉक्टरों, शिक्षकों और मेडिकल छात्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने देशभर में मेडिकल और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को संवेदनशील बनाने हेतु व्यापक प्रशिक्षण सत्र आरंभ करने हेतु कोई कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव है जिससे यौन और लिंग अल्पसंख्यकों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की जा सके; और
(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) देश में चिकित्सा शिक्षा को विनियमित करने और उसकी देख-रेख करने के लिए संसद के एक अधिनियम द्वारा गठित एक शीर्ष वैधानिक निकाय है। एनएमसी द्वारा वर्ष 2024 में स्नातक चिकित्सा छात्रों के लिए जारी योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) दिशा-निर्देश नैतिक मूल्यों, रोगी-केंद्रित प्रतिक्रियाशीलता, प्रभावी संचार कौशल और लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। इन योग्यताओं को पोषित करने के लिए, दिशा-निर्देशों में 'दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार' पर केंद्रित एईटीसीओए नामक एक समर्पित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम शामिल है। इसके

अलावा, मनोरोग विषय के अंतर्गत इनमें से एक योग्यता को शामिल किया गया है ताकि छात्र एलजीबीटीक्यूए+ समुदाय से निपटने में चिकित्सकीय-विधिक, सामाजिक, नैतिक और मानवीय सिद्धांतों की समझ प्रदर्शित कर सकें।

इसके अतिरिक्त, अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल द्वारा सूचित किया गया है कि अस्पताल ने दिनांक 17.11.2023 से एक ट्रांसजेंडर ओपीडी शुरू की है, जो प्रत्येक शुक्रवार शाम को आयोजित की जा रही है।

*****